Miscellaneous News

वार्ता करतीं निदेशक प्रो.सीमा परोहा।

सेंटर फॉर एक्सीलेंस बायोफ्यूल पर आईआईटी के साथ मिलकर करेंगे शोध

कानपुर, 1 मई। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में सेंटर फार एक्सीलेंस (बायोफ्यूल) स्थापित होगा। इसमें आईआईटी कानपुर और एनएसआई के साथ मिलकर सेंटर फार एक्सीलेंस बायोफ्यूल प्रोजेक्ट पर शोध करेंगे। इसके लिए मंत्रालय से अप्रूवल भी मिल गया है और अब जल्द ही आईआईटी कानपुर के साथ एक एमओयू साइन किया जाएगा। इसमें इथेनाल, नान फूड से फ्यूल आदि पर विशेष तौर पर शोध होंगे। साथ ही लैब में तैयार किये गंगा जल और एडबांडा संग समझौते के तहत सीड प्रोजेक्ट का काम भी जमीन पर उतारा जाएगा। परिसर में स्टूडेंट्स की संख्या को देखते हुए इंफ्रास्ट्रैक्चर बढ़ाने के लिए दो नये ह्रास्टल, टिशू कल्चर लैब, कवर्ड पार्किंग को निर्माण होगा जिसके लिए प्रथम चरण में 10 करोड़ की धनराशि भी जारी कर दी गई। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर की नये निदेशक प्रो. सीमा परोहा ने आज पत्रकारों को दी। बुधवार को एनएसआई में निदेशक पद पर कार्यभार ग्रहण करने बाद प्रो. सीमा परोहा ने बताया कि सन 2014 में संस्थान में जैव रसायन अनुभाग में प्रो. जैव रसायन के पद पर नियुक्ति पायी थी। संस्थान में दस वर्षों तक सीएनजी, बायोगैस, अल्कोहल एवं इथेनाल संबंधी शोध कार्यों से जुड़ी रही। आज संस्थान में प्रथम महिला निदेशक बनने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। निदेशक ने बताया कि डिप्लोमा कोर्सेज को डिग्री कोर्स कराने, खाली पदों पर नियुक्ति पर भी प्रयास तेज किये जाएंगे।

Digital News

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो०डी स्वेन का कार्यकाल समाप्त होने पर विदाई समारोह।